*Enhanced Edition
NEP 2020 Guidelines

तापसी

हिंदी उत्तर पुस्तिका

3

YBPL

तापसी-3

1. मौखिक उत्तरः स्वयं करें। **2. लिखित 1.** ध्वज का सम्मान कभी कम न हो। **2.** वीरता एवं हिम्मत।

बहुविकल्पीय प्रश्नः (3) 1.(अ), 2.(स), 3.(स) 4.(ब)।

भाषा की बातः (क) शेर, सिंह, सूरज, सूर्य, चाँद, चन्द्रमाँ, झंडा, ध्वज। **(ख)** निडरता, लघुता, स्वच्छता, वीरता। **(ग)** स्वयं करें। **सोचने समझने की बात :** सूर्य के समान प्रकाश बिखेरना, चंद्रमा के समान शीतल, पर्वत के समान अडिग, नदी के समान निरंतर चलते रहना **कुछ कहने की बात : (क)** स्वयं करें। **(ख)** स्वयं करें।

अध्याय-2: दो बैलों की कथा

1. मौखिक उत्तरः स्वयं करें **2. लिखितः 1.** हीरा और मोती झूरी से प्रेम करते थे क्योंकि वह उनकी देखरेख करता था। **2.** क्योंकि वह उन्हें मारता व खाने के लिए रूखा-सूखा भूसा डालता था। **3.** क्योकि पशु भी उन्हीं के पास रहना चाहते है जो उन्हें प्रेम करें। 4. कांजी हाउस में पशुओं की स्थिति कमजोर दुबले-पतले व चारे-पानी का प्रबंध नहीं था। 5. हीरा और मोती को उन्हें रास्ता-जाना पहचाना लगा तो जाने कहाँ से दम आ गया।

बहुविकल्पीय प्रश्न : (3) 1.(अ), 2(स), 3.(स)। **(4)** 1. प्यार, 2. खुश, 3. तंग। 4. लड़की, 5. साँड, **(5)** 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✗ । (6) 1.(य), 2. (द), 3.(स), 4.(अ), 5.(ब)। **भाषा की बातः (क)** रस्सी-रस्सियाँ, रास्ता-रास्ते, घोड़ी-घोड़ियाँ, पत्नी-पत्नियाँ, हड्डी-हड्डियाँ। **(ख)** 1. छोटी सी लड़की, कमजोर गधे, दुबले पतले गधे, 2. मूर्ख लड़का, चालाक आदमी, तेज बैल **(ग)** 1. अचानक अपने आगे ट्रेन देखकर अशोक के होश उड़ गए। 2. बिल्ली को देखते ही चूहा अपनी जान बचाकर भागता है। 3. उसकी झूठी बातों को सुनकर सोनू जल भुन गया।

सोचने-समझने की बातः स्वयं करें। **कुछ कहने की बातः** स्वयं करें।

अध्याय-3: अन्यायी राजा

मौखिक उत्तरः स्वयं करें। **लिखितः 1.** प्रजा राजा जयसिंह से इसलिए असंतुष्ट थी, क्योंकि जयसिंह शूरवीर तो बहुत था, परंतु क्रूर व अहंकारी थ। उसे प्रजा के हित की चिंता न थी। वह निरंतर युद्धों में रत रहता, हमल बनवाता, हाथी-घोड़े खरीदता। अपने जीवन को वह पूर्ण आमोद-प्रमोद में बिताता और प्रजा के हित हेतु कोई कर्म न करता था। उसके राज्य में प्रजा असंतुष्ट थी। 2. महल में पधारे संन्यासियों के साथ राजा जयसिंह ने दुर्व्यवहार किया। 3. गुरुजी ने राजा जयसिंह का अहंकार उसके दरबार में जाकर देखा तो पाया कि राजा अहंकारपूर्ण मुद्रा में सिहांसन पर

विराजमान था, उसने गुरुजी की ओर उपेक्षापूर्ण दृष्टि से देखा। इस पर गुरूजी को क्रोध आ गया। उन्होने अपने कमंडल से जल लेकर राजा की ओर छिड़कते कहा, 'मूर्ख राजा! तू उनका अपमान करता है, जो तुझे भलाई के मार्ग पर चलाना चाहते हैं। जो राजा प्रजा पालन में विफल होता है, गरीबों, असहायों की सहायता न कर उनका उपहास उड़ाता है, उस राजा को अपनी करनी का फल अवश्य ही भोगना होगा। तू दिंवगत राजाओं के स्वर्ग-सुख की चिंता छोड़ कर स्वंयको नरक की अग्नि में जलता देखा ओर, यह क्या? राजा बुढ़ापे का जीर्ण शीर्ण शरीर पाकर नरक की आग में जलने लगा। यमदूत उसकी पीठ पर कोड़े बरसाने लगे। बड़ा ही विदीर्ण दृश्य था। कोड़ो की मार पर राजा चीख उठता। **4.** वह गुरुजी से अपना जीवन बचाने की प्रार्थना कर रहा था। वह अपने किए हेतु क्षमा माँग रहा था और वह कह रहा था कि नरक की इस आग से निकाल लें। गुरुजी के पैरों पर गिरकर क्षमा माँगने लगा। **5.** राजा सभी संन्यासियों की ओर हाथ जोड़कर राजा गिड़गिड़ाया, ''मुझे क्षमा कर दीजिए। आप जैसा चाहेंगे, मैं वैसा ही करूँगा।'' **बहुविकल्पीय प्रश्नः(3)** 1.(ब), 2.(अ), 3. (अ)। **(4)** 1. क्रूर, 2. दान-पूण्य, 3. निंदा, 4. नरक, 5. हित। **(5)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✗ । **(6)**1. (द), 2. (य), 3.(अ), 4.(ब), 5.(स)।

भाषा की बाातः (क) भलाई, अच्छाई, वीरवान, हारना, असंतुष्ट जीतना, पुरूषोत्तम, चालाकी, देवताई, मुस्कुराहट। (ख) 1. समझाया, 2. घबराकर, 3. छिड़का। 4. खाली, 5. पक्के, (ग) 1. यशस्वी, 2. सुखी, पीड़ा, 3. पक्की, 4. अहंकारी, भय, 5. उचित,।

सोचने-समझने की बातः स्वयं करें। **कुछ कहने की बातः** 1. दयालु एवं परोपकारी शासक से प्रजा संतुष्ट रहती है। 2. हम शासक वर्ग के अच्छे एवं उचित कार्य की सराहना करते है। हम शासक वर्ग के बुरे एवं अनुचित कार्य की आलोचना करेंगे।

अध्याय-4: कपटी मित्र

1. मौखिक उत्तरः स्वयं करें। **2. लिखितः**1 एक मगरमच्छ नदी तट पर धूप सेकने के लिए आता, वहाँ पेड़ से गिरे पके फल पड़े रहते थे। जिन्हे वह खाता और आनंद से धूप सेकता रहता। यह देखकर कि मगरमच्छ पेड़ से गिरे फल खाता है। वह वानर पके फल तोड़कर मगरमच्छ की ओर फेंकता। मगरमच्छ अपना मुख उठाकर देखता की फल कौन फेंक रहा है। वह फल खाता और वानर को धन्यवाद देता। इस प्रकार कुछ ही दिनों में दोनों मित्र बन गए थे। 2. मगरमच्छ ने अपनी पत्नी की इच्छा पूरी करने के लिए वानर के साथ धोखा किया था। 3. क्योंकि इससे पहले कभी इस प्रकार नदी की धारा में नहीं आया था। 4. वानर बोला ''अरे! ऐसी बात है परतु यह तो तुम्हें पहले बताना चाहिए था। दिल तो मैं साथ लेकर नहीं चलता । उसे तो मैं पेड़ की शाखा पर ही टाँग आया हूँ अब तो उसे लाने के लिए वापस पेड़ पर जाना पड़ेगा।

बहुविकल्पीय प्रश्नः (3) 1. (ब), 2.(ब), 3.(ब), 4.(अ)। **(4)** 1. से गिरे, 2. पके फल, 3.मगरमच्छ, 4.वानर। **(5)** 1. ✗ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✗ । **भाषा की बातः (क)** साहस-हिम्मत, समीप-पास, विश्वास-दृढ़ निश्चय, चिंता-दु:ख, संकट-समस्या, **(ख)** नदी-गंगा, वानद-बंदर, वृक्ष, वन, जंगल, **(ग)** नदी-नदियाँ, पत्नी-पत्नियाँ, चोटी-चोटियाँ, पहाड़ी-पहाडियाँ, **(घ) 1.** नदी, 2. मगरमच्छ, **3.** वानर, **4.**फल। **सोचने समझने की बातः** मेरा प्रिय मित्र ओम है। उसके दो भाई मयूर एवं प्रतीक है। उसकी माता का नाम श्रीमती पूनम गुप्ता है। उसके पिता का नाम श्री बी. के. गुप्ता है। वह कक्षा तीन में पढ़ता है। वह एक होनहार छात्र है। वह सदैव कक्षा में प्रथम आता है। वह एक बुद्धिमान छात्र है। वह पढ़ाई में मेरी सहायता करता है। वह मेरा सच्चा मित्र है।

अध्याय-5: जल का महत्त्व

1. मौखिक उत्तरः स्वयं करें। **2. लिखित उत्तरः** नगरों से जलापूर्ति में बिजली का संकट उपस्थित हो जाता है। 2. पानी के महत्त्व का पता हमें जब चलता है। जब हमें पानी की आवश्यकता होती है और पानी कहीं नही मिलता है। 3. भूमिगत जल कीटनाशकों के प्रयोग से विषैला हो रहा है। 4. प्राणियों के जीवन में जल का विशेष महत्त्व है, क्योंकि बिना जल के कोई भी प्राणी जीवित नही रह सकता है। 5. कारखानों से निकलने वाला गंदा-विषैला पानी और नदियों में बडी मात्रा में बहाया गया कूड़ा-कचरा भी जल को बड़ी मात्रा में प्रदूषित कर रहा है।

बहुविकल्पीय प्रश्नः (1) 1.(अ), 2. (स), 4. (अ)। **(2) 1.**71, 29, **2.** जल **,** **3.** 3, **4.** कीटनाशक, **5.** गंदे नालों। (3) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✗ ।

सोचने-समझने की बातः स्वयं करें। **भाषा की बातः** (क) दूषित-अदूषित, योग्य-अयोग्य, शुद्ध-अशुद्ध, विष-अविष, (ख), विष-जहर, विश्व-संसार, जरूरत-आवश्यकता, विषैला-जहरीला। (ग) जल-पानी, नीर, नदी-गंगा, जमुना, पृथ्वी-भू, भूमि, आकाश-अनंत, अंतरिक्ष। **कुछ करने की बातः (1)** एक सामान्य व्यक्ति जल-स्त्रोतों को कपड़े धोकर, पशुओं को नहलाकर तथा फैक्ट्री में अवशेष डालकर जल को प्रदूषित करता है। **(2)** जल को कम- से कम प्रयोग करके भी जल-प्रदूषण को रोक सकते हैं।

अध्याय-7: धैर्य का फल

1. मौखिक : स्वयं करें। **2. लिखितः (1)** गाँव में जय व भारती उधम करते थे। **(2)** आम पकाने के लिए जय और भारती ने आमों को एक टोकरी में रखकर भूसे में दबा दिया था। (3) अंत में जय और भारती इस कारण अत्यंत प्रसन्न हुए कि सारे आम पक गए है। 4. तीन दिन व्यतीत होने के बाद सुबह भारती ने आम निकालकर देखा परन्तु आम पहले की तरह हरे रंग के थे।

बहुविकल्पीय प्रश्नः (क) 1.(स), 2.(ब), 3.(स), 4.(ब), 5.(ब)। **(ख)** 1. कल, 2. रविवार, 3.ताँगे, 4. पीला। **(ग)** 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓ । **(घ)**1.(द), 2. (य), 3.(अ), 4.(ब), 5.(स) **भाषा की बातः(क)** 1. माताजी, माँ–अम्मा; आम–आम्र, आनवा। **(ख)** ऋतु–ऋतुएँ, टोकरी–टोकरियाँ, ताँगा–ताँगे, गाड़ी–गाड़ियाँ, आम की टोकरी, सुबह का समय, जय का मित्र, जय के माता–पिता, भारती का भाई। **(ग)** विद्यालय, छुट्टिया, शीघ्रता, प्रतीक्षा। **सोचने–समझने की बात–** 1. गुलाब, लंगड़ा, दशहरी,। 2. 1. अचार, 2. चटनी, 3. मैंगों शेक 4. आम पापड़, 5. आम पन्ना **3.** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :1** 1. आम हमारा राष्ट्रीय फल है। 2. आम को फलों का राजा कहते हैं। 3. कच्चा आम बहुत खट्टा होता है। 4. पका आम बहुत मीठा होता है। 5. कच्चे आमों का अचार बनाया जाता है। 6. पके आमों को खाया जाता है। 7. पके आमों से मैगों शेक बनाया जाता है। 8. आमों की अनेक प्रजातियाँ होती है। जैसे–लंगड़ा, दशहरी, गुलाब–जामुन आदि। 9. आम ग्रीष्म ऋतु का फल है। 10. आम का रस बहुत मीठा होता है।

अध्याय–8: साँप और नेवला

1. मौखिक उत्तरः स्वयं करें। **2. लिखित :** 1. लोगों की सभा तमाशा देखने के लिए एकत्र हुई थी। 2. सपेरे की बात सुनकर साँप और नेवले ने उससे कहा कि खून बहाएँ, तुम्हें हसाएँ, तुम्हें हसाएँ, यह अब नहीं करेगे हम। 3. हमें किसी को परेशान नहीं करने वाले खेल खेलने चाहिए। **बहुविकल्पीय प्रश्नः (क)** 1.(स), 2.(ब) 3.(अ), 4. (अ)। (ख) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ । (5) **1.** संपेरा **2.** साँप–नेवला, 3. संपेरा **भाषा की बातः**1. गुणवान–अवगुणमान, सद्गुण–अवगुण, बलवान–अबलवान, दोषी–निर्दोष, सरल–कठिन, निर्दय–दयावान। 2. सपेरा–सपेरे, बीन–बीनें, नवेला–नेवलें, छीट–छीटें, सभा–सभाएँ, नाली–नालियाँ, पिटारी–पिटारियाँ, झाड़ी–झाडियाँ। **3.** साँप–पुल्लिंग, नागिन–स्त्रीलिंग, नेवला–पुल्लिंग, सपेरन–स्त्रीलिंग, सपेरा–पुल्लिंग, मादा नेवला–स्त्रीलिंग **सोचने समझने की बातः** हमें बहुत बुरा लगता है एवं बहुत दुख होता है। दया की। **कुछ कहने की बातः** स्वयं करें।

अध्याय–9: वीर अभिमन्यु

1. मौखिकः स्वयं करें। **2. लिखितः 1.** जब अर्जुन और श्रीकृष्ण युद्ध करते–करते बहुत दूर निकल गए थे कौरवों के सेनापति द्रोणाचार्य ने यह अच्छा अवसर देखकर चक्रव्यूह की रचना कर दी। **2.** अभिमन्यु को केवल प्रवेश करना आता था, उसे उससे बाहर निकलना नही, यह भी उसे तब पता चला जब वह माता के पेट में था और उसके पिता अर्जुन उसकी माता को चक्रव्यूह के बारे में बता रहे थे। जब बाहर निकलने के बारे में बताने लगे, तो माता को नींद आ गई थी और अभिमन्यु इसे न जान सका। **3.** युद्ध प्रारम्भ हुआ अभिमन्यु ने कौरवों की सेना पर बड़े वेग से

आक्रमण किया उसने द्रोणाचार्य के रचे गए चक्रव्यूह को तोड़ डाला और उसके भीतर घुस गया। पांडवो की सेना पीछे थी। परंतु वह व्यूह के भीतर न जा सकी। भीतर घुसकर अकेले अभिमन्यु ने भीषण युद्ध किया। और उसने कौरवों के बड़े बड़े वीरों को हरा दिया। अंत में कौरव दल के सात महारथियों ने अधर्मपूर्वक उस बालक पर आक्रमण कर दिया। अकेला बालक कहाँ तक मुकाबला करता? शस्त्र छूट चुके थे। वह निहत्था हो गया था और बाणों से उसका शरीर छलनी हो गया था। अभिमन्यु ने शत्रुओं को धिक्कारा। दु:शासन के पुत्र जयद्रथ ने पीछे से उसके सिर पर गदा से वार किया। वह वीर धरती पर गिर पड़ा और भगवान श्रीकृष्ण तथा अपने माता-पिता गुरूजनों आदि को मन ही मन स्मरण करता हुआ वीरगति को प्राप्त हो गया। **4.** अभिमन्यु ने धर्म की शिक्षा युधिष्ठर तथा युद्ध की कलाएँ भीम एवम् अर्जुन से सीखी थी। 5. श्रीकृष्ण ने कहा अभिमन्यु जैसी मौत तो हम सभी चाहते हैं। **बहुविकल्पीय प्रश्न: (3)** 1.(ब), 2.(अ), 3.(स), 4.(ब)। **(4)**1.धृतराष्ट्र, 2.अर्जुन, 3. कौरव, 4.पाडंव, 5. द्वेष **(5)** 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓ । **भाषा की बात : (क)** कृष्ण-कान्हा, कन्हैया, अर्जुन-पार्थ, कुन्ती पुत्र, (ख) 1. आक्रमण-हमला, द्वेष-ईर्ष्या, वीरता-बहादुरी, अवसर-मौका। (ग) वीर, चतुर,दुष्ट, सच्चा, द्वेष, अधर्मी। **सोचने समझने की बात: 1.** दुर्योधन,दु:शासन, संजय, वीरू, सहनु। **2.** गान्धारी **कुछ करने की बात:** स्वयं करें।

अध्याय-10:जब में पढ़ता था

1. मौखिक : स्वयं करें। **2(लिखित): 1.** गाँधी जी ने अपने पिता को सत्यप्रिय, उदार और साहसी बाताया। 2. उन्हीं दिनों शीशे में तस्वीर दिखाने वाले लोग आया करते थे। तभी मैने अपने अंधे माता-पिता को बहँगी में बैठाकर ले जाने वाले श्रवणकुमार का चित्र देखा। इन बातों का मेरे मन पर गहरा प्रभाव पड़ा। मन-ही-मन मैंने सोचा कि मैं भी श्रवण कुमार की तरह बनूँगा। 3. हरिशचन्द्र के सत्यवादी गुण ने गाँधी को प्रभावित किया। 4. सुलेख शिक्षा का एक आवश्यक अंश है। इसके इसके लिए चित्रकारी सीखनी चाहिए। बालक जब चित्रकला सीखकर चित्र बनाना जान जाता है, तब यदि अक्षर लिखना सीखे, तो उसके अक्षर मोती जैसे हो जाते हो जाते है। 5. संस्कृत शिक्षा के विषय में गाँधी जी का अच्छा अनुभव रहा। 6. अब में यह देखता हूँ कि व्यायाम के प्रति अरूचि मेरी गलती थी। उस समय मेरे मनगलत विचार घर किए हुए थे कि व्यायाम का शिक्षण के साथ कोई संबंध नहलीं है। बाद में समझा कि पढ़ने के साथ-साथ व्यायाम करना भी बहुत जरूरी है। **बहुविकल्पीय प्रश्न:3. 1.** (स), 2.(स), 3.(स), 4.(ब), 5. (ब) **(4)** 1. दीवान, 2. पढ़ा 3. झूठ, 4. शिक्षा, 5. सैर करना (5) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓। **भाषा की बात:** (क) साहसी-असाहसी, सत्य-असत्य, प्रसन्न-अप्रसन्न, न्यायी-अन्यायी, पूर्ण-अपूर्ण,

रूचि-अरूचि, आशा-निराशा, कठोर-नरम। (ख) धनी, लोभी, साहसी, सदाचारी, न्यायी, संकोची। (ग) सच्चे, झूठी, टेढ़-मेढ़, कँटीलें, अच्छी, गलत, (घ) दीवान, सत्यवादी, अरूचि, अनिवार्य, कठिनाई, स्वास्थ्य। **सोचने समझने की बातः** 1. स्वयं करें **कुछ कहने की बातः** 1. गाँधी जी के पिताजी का नाम करमचंद था। 2. गाँधी जी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को पोरबंदर में हुआ था। 3. गाँधी जी बहुत संकोची थे। 4. गाँधी जी पर श्रवण पितृभक्ति का बहुत असर हुआ। 5. गाँधी जी ने सत्यवादी हरिश्चन्द्र नाटक देखा था। 6. गाँधी जी का तेरह वर्ष की आयु में ही विवाह हो गया था। 7. गाँधी जी की पत्नी का कस्तूरबा गाँधी था। 8. गाँधी जी को पाँचवी एवं छठीं कक्षा में छात्रवृत्ति मिली थी।

अध्याय-12: सच्चे विश्वास की शक्ति

1. मौखिक : स्वयं करें। **2. लिखितः 1.** गाँववालों की स्थिति देखकर संत का हृदय काँप गया। 2. संत ने गाँववालों को कठिन समय में ईश्वर की प्रार्थना करना बताया। 3. ईश्वर तब सहायता करता है जब ईश्वर के प्रति सच्ची श्रद्धा एवं विश्वास हो। 4. बालिका छतरी लेकर इसलिए आई थी जिससे वह वर्षा से बच सके । 5. सामूहिक प्रार्थन का परिणाम यह हुआ कि इन्द्र देव प्रसन्न हो गए और वर्षा हो गई। 6. बालिका ने कहा बाबाजी आपने बताया है कि प्रार्थना से इंद्र देव प्रसन्न होकर वर्षा करेगें। घर लौटते समय मैं भीगने से बची रहूँ। **बहुविकल्पीय प्रश्नः3. 1.**(अ), 2.(ब), 3.(ब), 4.(स), (4) 1. राज्य 2. धीरज 3. पूर्ण, 4. प्रार्थना 5. बादल (5) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ । **भाषा की बातः (क) 1.** विश्वास-अविश्वास, पूर्ण-अपूर्ण, निकट-दूर, बड़ा-छोटा, सच्चा-झूठा, अच्छा-बुरा। (ख) पिड़ित-पीड़ित, स्थिती-स्थिति, हरीयालि-हरियाली, सुरक्षीत-सुरक्षित, शक्तीमान-शक्तिमान, प्राथ्रना-प्रार्थना,, आँखे-आँखें, बीजली-बिजली,। (ग) बालिका-स्त्रीलिंग, छतरी-स्त्रीलिंग, पत्ती-स्त्रीलिंग, बरगद-पुल्लिंग, पत्ता-पुल्लिंग, बच्चा-पुल्लिंग,लड़का-पुल्लिंग, ईश्वर-पुल्लिंग, देव-पुल्लिंग, देवी-स्त्रीलिंग। **सोचने समझने की बातः** स्वयं करें।

कुछ करने की बातः अकाल का मुख्य कारण वर्षा न होना है। **लक्षणः** सूखी धरती, सूखे खेत, सूखे पेड़ एवं सूखे कुएँ। **हानि-1.** हरियाली कहीं न दिखना। 2. लोगों एवं पशुओं का भूख एवं प्यास से मरना।

अध्याय-13: उलझन

मौखिक : स्वयं करें। **लिखित : 1.** बाबा ने फौजी बनने के लिए कहा है। 2. दीदी कलेक्टर बनने के लिए कहती है। 3. चाची ने अफसर बनने के लिए कहा है। 4. जिला अधिकारी को कलेक्टर कहते हैं। 5. कविता के अंत में बालक शिकायत करता है कि में कुछ नहीं समझ पा रहा हूँ। **बहुविकल्पीय प्रश्न : (3)** 1. (स), 2. (अ), 3.

(स), 4. (अ)। **भाषा की बात :** (क) माता, दादी, बहन, चाची, ग्वालिन, मामी, (ख) . असर, लसर, गुहमर, ससर, 2. रोग, लोग, कोग, सुद्योग, 3. अस, दस, लस, पस, 4. मग, कग, लग, पग, 5. चल, कल, मल, दल, 6. पन, रन, खन, पवन। **सोचने-समझने की बात :** 1. स्वयं करें। **कुछ कहने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-14: ब्राह्मण की गाय

1. मौखिक : स्वयं करें। **2. लिखित: 1.** सेठ जी ने ब्राह्मण से एक अनुष्ठान करवाया था। 2. ब्राह्मण को गाय सेठ जी से मिली थी। 3. ठग झूठ बोलकर लोगों को ठगते थे। 4. ठगों की बात पर ब्राह्मण को बड़ा गुस्सा आया। 5. बाह्मण ने गाय की रस्सी इसलिए छोड़ दी थी, क्योंकि तीसरे ठग ने भी जब गाय को गधा बताया तो उसे संदेह हुआ और उसने अपने उपहास के डर से गाय की रस्सी छोड़ दी। **बहुविकल्पीय प्रश्न: (3).** **1.**(अ), 2.(स), 3.(स), 4.(अ), 5.(ब)**(4) 1.** राज्य 2. धीरज 3. सगे, 2. तीन 3. झूठ, 4. ठग, 5. उपहास **(5)** 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ । 3, **(6)** 1. ठग ने -ब्राह्मण से, 2. ब्राह्मण ने -ठग से, 3. ब्राह्मण ने-दूसरे ठग से, 4. तीसरे ठग ने-ब्राह्मण से **भाषा की बात: (क) गाय:** गऊ, गौमाता, **सूर्य**-सूरज, अगन, **चंद्र**-चाँद, चंद्रमा, **सिंह**-शेर, व्याघ्र, **जल**-पानी,नीर। (ख) चार मूर्ख, सुंदर लड़की, चार चोर, गंदा मनुष्य, दो डाकू, एक बच्चा, (ग) आशीर्वाद, संदेह, नाराज, व्यक्ति। **(घ) चश्मा**-माँ, अश्मा, धम्मा, चम्मा, पश्चमा। **गाय**-लाय, काय, माय, जाय, राय। **सेठ**-मेठ, रेठ, लेठ, खेठ, फेठ,। **(ङ)** वस्तुएँ, अलमारियाँ, रस्सियाँ, साडियाँ, घोड़े, भेड़ें, रास्ते, बकरियाँ, बातलें, झाडियां, (च) धनवान, मूल्यवान, गाड़ीवान, गुणवान,। **सोचने समझने की बात:** स्वयं करें। **कुछ करने की बात:** स्वयं करें।

अध्याय-16: पक्षियों की चिंता

1. मौखिक : स्वयं करें। **2. लिखित: 1.** तोते ने हंस को मनुष्य की क्रूरता से अवगत कराया। 2. जनसंख्या बढ़ने का यह परिणाम हुआ कि पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। 3. तोता-मनुष्य को क्रूर इसलिए समझ रहा था क्योंकि वह पेड़ काट रहा है। 4. वन हमारे लिए इसलिए उपयोगी है क्योंकि इनसे हमें लगभग सभी वस्तुओं की आपूर्ति होती है। 5. पर्यावरण की रक्षा पेड़ों की भाषा को बढ़ाकर हो सकेगी। 6. पेड़ो की कमी से सूखा, वर्षा का न होना, इत्यादि समस्याएँ आ रही हैं।
बहुविकल्पीय प्रश्न: (3). 1.(स), 2.(ब), 3.(अ), 4.(स), 5.(स)**(4) 1.** घोंसला 2. इंसानों 3. मनुष्य, 2. मनुष्य 3. लोभ, 4. पेड़ों।, **(5)** 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗ । **भाषा की बात: (क) वन:** जंगल, बाग, **तोता**-शुक, सुग्गा, **कौआ**-काक, करठ, **कोयल**-पिक, कोकिल, **(ख)** शीकारी-शिकारी,

गतिविधियाँ-गतिविधियाँ, अनुमती-अनुमति, लोकप्रीय-लोकप्रिय, दायीत्व-दायित्व, हरीयाली-हरियाली, **(ग)** शाखा-शाखाएँ, घोंसला-घोंसलें, माला-मालाएँ, नीति-नीतियाँ, चरखा, चरखें, चिड़िया-चिड़ियाएँ **(घ)** काला, लाल, तेज, सुंगधित, ऊँची, पीले, गहरी, नीली। **सोचने समझने की बातः** स्वयं करें। **कुछ करने की बातः** 1. स्वयं करें 2. बरगद, पीपल, केला, 3.खाने पीने की अधिकांश वस्तुएँ हमें वृक्षों से प्राप्त होती है। 2. लकड़ी की फर्नीचर, दरवाजे एवं चौखट आदि हमें वृक्षों से प्राप्त होते है।

अध्याय-18: ऐसा क्यों होता है।

1. मौखिक : स्वयं करें।

2. लिखितः 1. पिंजड़े में आने पर तोता बंदी हो जाने के कारण छटपटाने लगता है। **2.** डाल पर तोता चुह-चुह-चह-चह गाता रहता है। **3.** दिन में तारे सूर्य के प्रकाश में छिप जाते है। जबकि रात के समय प्रकट हो जाते है।। **4.** चाँद कभी सामान आकर में नहीं रहता बल्कि घटता-बढ़ता रहता है। क्योंकि यह सूर्य प्रकाश से चमकता है। **5.** तोडें जाने पर फूल मुरझा जाता है।

बहुविकल्पीय प्रश्नः (3). 1.(ब), 2.(अ), 3.(स)।

भाषा की बातः (क) चाँद- चंद्रमा, चंदन, सूरज-सूर्य, अनिल, फूल-पुष्प, सुमन, तोता-शुक, सुग्गा, जल-पानी, नीर, **(ख)** तारे, तोते, मछलियाँ। **(ग)** काले-बाल, लाल-रूमाल, सुगंधित,-तेल, पीले-फूल, नीले-कपड़े, ऊँचा-झंडा, ठंडा-जल, गहरा-तालाब। **(घ)** गहरा-समुद्र, सुंदर-मैदान, बड़ा-आकाश। साहसी-लड़का, सुंदर-बालक, मनमोहक-गीत। तोता, पिंजड़ा, फूल,मछली, तारे, चद्रमा, सूर्य,मनुष्य। **सोचने समझने की बातः** बादल वाष्प से बनते हैं। 2. मधुमक्खियाँ शहद फूलों से रस चूसकर बनाती है। **3.** तारे इसलिए झिलमिलाते हैं, क्योंकि उनका प्रकाश लगातार पृथ्वी पर नहीं पहुचँता है। **कुछ करने की बात**-स्वयं करें।

अध्याय-19: स्वच्छ रहो स्वस्थ रहो।

1. मौखिक : स्वयं करें।

2. लिखितः 1. परदेसी ने देखा कि गाँव में जिस मार्ग से गुज़रो, वही गंदगी से भरा पड़ा है। 2. परदेसी ने ग्रामीणों को चेचक से मुक्ति के लिए उनके ग्रामीण देवता को प्रसन्न करने का सुझाव दिया। 3. ग्रामीणों ने ग्राम देवता को प्रसन्न करने के लिए मंदिर की साफ-सफाई करी और उसमें पूजा-अर्चना और हवनादि प्रारंभ कर दिया। 4. राम काका ने ग्राम देवता को पूरे गाँव की सफाई करके प्रसन्न किया। 5. परदेसी ने पर्यावरण को ही ग्राम देवता बताया।

बहुविकल्पीय प्रश्नः (3). 1.(स), 2.(ब), 3.(स), 4.(स), 5.(स)। **(4)** 1. गाँव 2. परदेशी 3. स्वच्छता रखने, 4. गाँव, 5. रोगों। (5) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ । **भाषा की बात (क)** -पीड़ीत-पीड़ित, कूपित-कुपित, भक्ती-भक्ति, बिमारी-बीमारी, प्रसंसा-प्रंशसा, सदेव-सदैव, गंदगी-गदंगी, विनीत-विनित। **(ख)** बीमारी-बीमारियाँ, गली-गलियाँ, डेरा-डेरे, मूर्ति-मूर्तियाँ, नाली-नालियाँ, सीटी-सीटियाँ। **(ग)** गाँव-पुल्लिंग, टोकरी-स्त्रीलिंग, मूर्ति-स्त्रीलिंग, ग्रामीण-पुल्लिंग, परदेसी-पुल्लिंग, चेचक-नपुसकलिंग। **(घ)** परदेसी, गाँव, चिकित्सक, ग्राम देवता, मंदिर। **(ड़)** भारतवर्ष, दिल्ली, गंगा, लखनऊ। **सोचने समझने की बातः** स्वयं करें। **कुछ करने की बातः** स्वयं करें।

YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.
EDUCATIONAL PUBLISHER

Regd. Off. : F-214, Laxmi Nagar, Delhi-110 092
Tel. : 91-11-4758 6784, 91-97116 18765
E-mail : yellowbirdpublications@gmail.com • info@yellowbirdpublications.com
Website : www.yellowbirdpublications.com